PRGI No. UPHIN/25/A1698

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 067
दि. 06.07.2026,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

यूपीः राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर सीएम का पलटवार, कहा- कारसेवकों पर गोली चलाने वालों को नहीं मंदिर की चिंता

राम मंदिर चढ़ावा चोरी की बातों के बीच सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बाबरी ढांचा का समर्थन करने वालों को अब भारत की आस्था की चिंता नहीं हैं।

(जीएनएस)।

लखनऊ शक्ति केंद्र संयोजकों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी श्रीराम मंदिर प्रकरण पर विपक्ष को जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि ये वही लोग हैं, जिनकी आस्था तब आहत नहीं होती है, जब कारसेवकों पर गोली चलती है। इसने सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ये वही लोग हैं, जो अपने वोटबैंक के लिए लैंड व लव जिहाद का समर्थन करते हैं। उन्होंने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि बाबरी ढांचा का समर्थन करने वालों को अब भारत की आस्था की चिंता नहीं हैं। इन्हें तो बस अपने वोट बैंक की चिंता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के विकास के मॉडल की वजह से ही सपा और कांग्रेस पीड़ित है। उन्हें इसी बात से चिंता है कि जिन लोगों को जातियों में बांटकर उनका हक मारते थे, उनका अब विकास हो रहा है। ये अब देश की आस्था पर प्रहार कर रहे हैं। सारी ऊर्जा वहीं लगा रहे। शक्ति केंद्र के संयोजकों को विपक्ष के भ्रमजाल से सतर्क रहने की अपील करते हुए सीएम ने कहा कि आने वाला चुनाव का केंद्र बूथ है। अगर बूथ मजबूत होगा तो चुनाव परिणाम भी भाजपा के पाले में ही आएगा। सीएम ने कहा कि जब शक्ति केंद्र मजबूत होगा तो बंगाल जैसी जीत मिलने में कोई कठिनाई नहीं होगी। जिस बंगाल को घुसपैठ का अड्डा बना दिया गया था, अराजकता थी और भाजपा के तमाम कार्यकताओं ने बलिदान दिया। वहां मिली जीत बताती है कि हमारा शक्ति केंद्र मजबूत है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यकताओं को उनकी महत्वपूर्ण

भूमिका बताई। उन्होंने कहा कि शक्ति केंद्र भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था का केंद्रबिंदु है, जहां एक-एक मतदाता से हमारा संवाद शुरू होता है। उन्होंने कहा, चुनाव विधानसभा, लोकसभा, जिला या प्रदेश स्तर पर नहीं लड़ा जाता चुनाव का केंद्र बिंदु बूथ और शक्ति केंद्र होता है, यह दोनों मजबूत हैं तो चुनाव हमारे पाले में आएगा ही और उसके रखवाले के रूप में शक्ति केंद्र संयोजकों की बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष ने शक्ति केंद्रों को कार्ययोजना दी है। हर महीने के अंतिम रविवार को हर बूथ-शक्ति केंद्र के कार्यकर्ता 'मन की बात' सुनें और प्रधानमंत्री के कहे गए बिंदुओं को नोट करें। अपने प्रदेश से संबंधित बिंदुओं पर चर्चा करें। आवश्यक कार्यों को नोट कर उसे लागू करेंगे तो हम लंबे समय तक भाजपा व देश के लिए कार्यकताओं की ऐसी फौज खड़ी कर देंगे, जो राष्ट्र के लिए समर्पित कार्यकताओं की महत्वपूर्ण टीम के रूप में दिखाई देगी।

'पहले यूपी में तमंचे बनते थे, अब ब्रह्मोस...', सीएम योगी आदित्यनाथ का सपा-कांग्रेस पर हमला

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार (5 जुलाई) को विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि 2017 से पहले प्रदेश की सरकारें हर जिले में माफिया पालती थीं और अपने गुर्गों से तमंचे बनवाती थीं, लेकिन आज उत्तर प्रदेश देश की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए ब्रह्मोस मिसाइल बना रहा है. उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता अब कानून व्यवस्था, विकास और राष्ट्र सुरक्षा है.

योगी आदित्यनाथ लखनऊ स्थित राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर आयोजित भाजपा के अवध क्षेत्र के शक्ति केंद्र संयोजकों के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे.

सीएम योगी बोले- राष्ट्र प्रेरणा स्थल नई पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण के महान आदर्शों से जोड़ने का प्रेरणास्त्रोत

सीएम योगी ने छऊअ की विकसित राष्ट्र प्रेरणा स्थल की विशेष कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया.

(जीएनएस)।

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को विकास प्राधिकरण की तरफ से विकसित राष्ट्र प्रेरणा स्थल की विशेष कॉफी टेबल बुक का विमोचन शक्ति केंद्र संयोजक सम्मेलन के अवसर पर किया. इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद नितिन नबीन, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक समेत अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मशताब्दी वर्ष के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र प्रेरणा स्थल देशवासियों को समर्पित किया था. उन्होंने कहा कि यह स्थल डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के

जीवन, उनके विचारों और राष्ट्र निर्माण में दिए गए योगदान से नई पीढ़ी को प्रेरित करने वाला एक महत्वपूर्ण केंद्र है.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और अन्य अतिथियों ने राष्ट्र प्रेरणा स्थल में स्थापित महान विभूतियों की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया और संग्रहालय का अवलोकन किया. उन्होंने तीनों महापुरुषों की सिलिकॉन प्रतिमाओं, उनके जीवन पर आधारित डिजिटल प्रदर्शनी, आधुनिक संग्रहालय व्यवस्था और प्रस्तुतीकरण की सराहना की.

अतिथियों ने राष्ट्र प्रेरणा स्थल की भव्यता और इसकी प्रेरणादायी अवधारणा की प्रशंसा करते हुए इसे नई पीढ़ी के लिए एक महत्वपूर्ण विरासत स्थल बताया. लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि राष्ट्र प्रेरणा स्थल की कॉफी टेबल बुक में इस भव्य परिसर को अत्यंत आकर्षक एवं कलात्मक ढंग से प्रस्तुत किया गया है. इसमें ड्रोन से लिए गए विहंगम दृश्य, कमल की आकृति में विकसित परिसर, रात्रिकालीन प्रकाश व्यवस्था की मनोहारी छवियां तथा संग्रहालय की आधुनिक संरचना को प्रमुखता से स्थान दिया गया है.

उन्होंने बताया कि बसंतकुंज योजना में लगभग 65 एकड़ क्षेत्रफल में विकसित राष्ट्र प्रेरणा स्थल आज राजधानी के प्रमुख सार्वजनिक एवं प्रेरणादायी स्थलों में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है. यह कॉफी टेबल बुक राष्ट्र प्रेरणा स्थल की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं प्रेरणादायी विरासत को देश-विदेश में रहने वाले लोगों तक प्रभावी रूप से पहुँचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगी.

डॉ. मनसुख मांडविया ने 'फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल' के राष्ट्रव्यापी 80वें संस्करण का नेतृत्व किया

केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल

मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने आज नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल के राष्ट्रव्यापी 80वें संस्करण का नेतृत्व किया।

यह आयोजन श्री सत्य साई सेवा संगठनों के सहयोग से आयोजित किया गया था। इन संगठनों ने आध्यात्मिक नेता श्री सत्य साई के 100 वर्ष पूरे होने का समारोह मनाया।

कानून एवं न्याय मंत्रालय द्वारा माउंट आबू में आयोजित 'सुधार उत्सव एवं चिंतन शिविर 2026' संपन्न हुआ

(जीएनएस)।

कानून एवं न्याय मंत्रालय के विधि मामलों के विभाग और विधायी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'सुधार उत्सव एवं चिंतन शिविर 2026' का समापन 'संकल्प पत्र' को अपनाने के साथ हुआ।

माउंट आबू के ज्ञान सरोवर में दिवसीय 'सुधार उत्सव और चिंतन शिविर 2026' का समापन आज 'माउंट आबू घोषणापत्र' अपनाने के साथ हुआ। यह मंत्रालय का 'संकल्प पत्र' है जो 'विकसित भारत @2047' के लिए भविष्य के लिए तैयार, प्रद्योगिकी-युक्त एवं नागरिक-केंद्रित कानूनी पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की सामूहिक प्रतिबद्धता को दोहराता है।

दिन की शुरूआत योग एवं ध्यान से हुई, जिसके बाद सिस्टर शैलू ने 'स्वपरिवर्तन से विश्वपरिवर्तन' (स्वयं के परिवर्तन से वैश्विक परिवर्तन) के दर्शन पर एक प्रेरक भाषण दिया। उन्होंने कहा कि स्थायी संस्थागत परिवर्तन खुद के परिवर्तन, सकारात्मक सोच एवं उद्देश्यपूर्ण कार्रवाई से ही शुरू होता है, जिससे प्रतिभागी आंतरिक परिवर्तन के माध्यम से सार्वजनिक सेवा को मजबूत करने के लिए प्रेरित हुए।

'अभिसरण, जवाबदेही एवं साझा सुधार रोडमैप' विषय पर आयोजित समापन एवं संकल्प सत्र के दौरान, चार ब्रेकआउट सत्रों के परिणाम प्रस्तुत किया गया और उन पर विचार-विमर्श किया गया, इसके बाद दोनों विभागों के लिए सुधारों के संयुक्त रोडमैप को अंतिम रूप प्रदान किया गया।

डॉ. राजीव मणि, सचिव, कानूनी मामलों एवं विधायी विभाग, ने विषयगत चचाओं से उभरती प्रमुख सुधार प्राथमिकताओं को दोहराया और संकल्प पत्र को अपनाने का नेतृत्व किया। यह संस्थागत उत्कृष्टता, कानूनों के आधुनिकीकरण, डिजिटल परिवर्तन, तकनीक अपनाने, प्रभावी मुकदमा प्रबंधन, वैकल्पिक विवाद समाधान को बढ़ावा देने, क्षमता निर्माण एवं बेहतर विभागीय सहयोग पर केंद्रित सुधार एजेंडा को रेखांकित करता है ताकि 'विकसित भारत @2047' के दृष्टिकोण को साकार किया जा सके।

मैंने 20 साल पहले ही बना लिया था सेमीकंडक्टर प्लान : पीएम मोदी

देश में चिप प्रोजेक्ट को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने 20 साल पहले ही सेमीकंडक्टर प्लान बना लिया था। उन्होंने बताया कि उस समय केंद्र सरकार ने उनका साथ नहीं दिया था।

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बड़ा खुलासा करते हुए बताया है कि लगभग दो दशक पहले उन्होंने राज्य में एक सेमीकंडक्टर प्लांट स्थापित करने की पूरी योजना तैयार कर ली थी। लेकिन तत्कालीन केंद्र सरकार के असहयोग के कारण वह प्रोजेक्ट आगे नहीं बढ़ सका।

पीएम मोदी ने शनिवार को गुजरात के साणंद में उॠ ग्री के आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट (OSAT) प्लांट का उद्घाटन किया। इसी कार्यक्रम के दौरान उन्होंने अपने पुराने दिनों के इस अधूरे सपने को याद किया।

क्या बोले पीएम मोदी?

अपनी पुरानी योजना का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, '20 साल पहले, शायद उससे भी पहले, मैंने गुजरात में सेमीकंडक्टर प्लांट

लगाने का पूरा प्लान तैयार किया था। मैंने गांधीनगर और प्रांतिज के पास 350 से 400 एकड़ जमीन भी तय कर ली थी और कुछ कंपनियों से बातचीत भी हो चुकी थी। उस समय भारत सरकार बड़े-बड़े दावे कर रही थी, जिससे कंपनियां बातचीत के लिए आती थीं। लेकिन न जाने क्यों, तत्कालीन केंद्र सरकार के पैर जैसे बेड़ियों में जकड़े हुए थे और मामला आगे नहीं बढ़ सका।'

पीएम मोदी ने आगे कहा, 'जब मैं उस समय इस विषय पर बात करता था, तो मीडिया मेरा मजाक उड़ाता था। तब यह नहीं हो सका, लेकिन आज इसे हकीकत बनते देख मुझे दिल से बेहद खुशी हो रही है।'

सेमीकंडक्टर हब बनने का सफर

2007-2009 की नीतिः जनवरी 2009 में तत्कालीन आईटी मंत्री ए. राजा ने कहा था कि 2007 की सेमीकंडक्टर नीति के तहत 1.57 लाख करोड़ रुपये के 17 प्रस्ताव मिले थे, लेकिन यह इंडस्ट्री रफ्तार नहीं पकड़ सकी।

इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 1.0 (2021): मोदी सरकार ने दिसंबर 2021 में 76,000 करोड़ रुपये के बजट के साथ इस मिशन को मंजूरी दी, जिसमें कंपनियों को 50% तक की वित्तीय मदद दी गई।

मिशन 2.0 (बजट 2026-27): सरकार ने अब रिसर्च और वर्कफोर्स ट्रेनिंग के लिए 1000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त आवंटन के साथ मिशन 2.0 की घोषणा की है।

कितना बड़ा बाजार?

भारतीय सेमीकंडक्टर बाजार का आकार जो 2023 में 38 अरब डॉलर था, उसके साल 2030 तक 100 से 110 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि साणंद प्लांट में बनने वाली चिप्स का इस्तेमाल कारों, स्कूटरों और अन्य औद्योगिक उपकरणों में किया जाएगा। सबसे खास बात यह है कि यहां बनी चिप्स को जापान, अमेरिका और यूरोप जैसे बड़े अंतरराष्ट्रीय बाजारों में एक्सपोर्ट किया जाएगा, जिससे वैश्विक स्तर पर भारतीय तकनीक की पहचान बनेगी।

आईसीएमआर ने राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 में स्वर्ण पुरस्कार जीता

(जीएनएस)।

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की प्रमुख पहल - राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान प्राथमिकता परियोजना - आईसीएमआर-माइंड्स को कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय के प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) द्वारा स्थापित राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कारों में श्रेणी 2 - नागरिक-केंद्रित सेवाएं प्रदान करने के लिए एआई और अन्य नई तकनीकों के उपयोग द्वारा नवाचार - के अंतर्गत स्वर्ण पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

यह पुरस्कार केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने राजस्थान सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार मंत्री कर्नल राजवर्धन राठौर; राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास; और भारत सरकार के

डीएआरपीजी एवं पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग की सचिव श्रीमती निवेदिता शुक्ला वर्मा की उपस्थिति में प्रदान किया। यह पुरस्कार 1-2 जुलाई, 2026 को जयपुर, राजस्थान में आयोजित 29वें राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सम्मेलन (एनसीईजी) 2026 के दौरान दिया गया।

आईसीएमआर-माइंड्स एक कार्यान्वयन अनुसंधान अध्ययन है जो मानसिक और मादक पदार्थों के सेवन संबंधी विकारों की जांच और प्रबंधन को अन्य गैर-संक्रामक रोगों के साथ एक करता है। इसका क्लिनिकल डिसीजन सपोर्ट सिस्टम (सीडीएसएस) मानकीकृत मानसिक स्वास्थ्य जांच, मूल्यांकन, अनुवर्ती कार्रवाई और नियमित प्रबंधन के कार्यों को विशेषज्ञों से प्रशिक्षित गैर-विशेषज्ञ फ्रंटलाइन स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को सौंपने में सक्षम बनाता है, और यह सब प्रमाण-आधारित डिजिटल निर्णय समर्थन द्वारा समर्थित है।

त्रिपुरा और प.बंगाल में दो अलग-अलग अभियानों में डीआरआई ने कोडीन आधारित कफ सिरप की कुल 1 लाख से अधिक बोतलें जब्त कीं; एक शख्स गिरफ्तार

मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने और मादक पदार्थों की सप्लाई के नेटवर्क को नष्ट करने के अपने लगातार प्रयासों के चलते, राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के प्रावधानों के अंतर्गत त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल में चलाए गए दो अलग-अलग अभियानों में कोडीन आधारित कफ सिरप की भारी मात्रा में बोतलें जब्त कीं। 2 जुलाई 2026 को, डीआरआई के अधिकारियों ने अगरतला जाने वाली एक ट्रेन के पार्सल वैन में ले जाए जा रहे एक माल को रोका। प्रतिबंधित सामान को 80 धातु के ड्रमों के अंदर बड़ी चालाकी से छिपाया गया था।

श्री अमित शाह सहकारिता मंत्रालय के 5वें स्थापना दिवस समारोह में कई महत्वपूर्ण पहलों का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे

(जीएनएस)।

केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह कल, 6 जुलाई 2026 को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में सहकारिता मंत्रालय के 5वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल होंगे। यह समारोह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'सहकार से समृद्धि' के विजन और श्री अमित शाह के नेतृत्व में आयोजित किया जा रहा है, जिनके मार्गदर्शन में सहकारिता क्षेत्र पारदर्शिता, तकनीक के उपयोग, संस्थागत सुदृढ़ीकरण और जमीनी स्तर के सशक्तिकरण की दिशा में निरंतर आगे बढ़ा है। पिछले पांच वर्षों में मंत्रालय ने प्राथमिक कृषि ऋण समितियों, सहकारी बैंकों, डेयरी सहकारी समितियों, शहरी सहकारी संस्थाओं, राष्ट्रीय स्तर की सहकारी संस्थाओं और बहु-राज्य सहकारी समितियों के लिए कई परिवर्तनकारी पहलें की हैं।

इस अवसर पर श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी एवं पंचायती राज मंत्री; श्री भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान; श्री कृष्ण पाल गुर्जर, सहकारिता राज्य मंत्री; और श्री मुरलीधर मोहोल, सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री भी उपस्थित रहेंगे। इसके साथ-साथ, इस अवसर पर डॉ. आशीष कुमार भूटानी, सचिव, सहकारिता मंत्रालय; श्री आतिश चंद्र, सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय; और श्री नरेश पाल गंगवार, सचिव, पशुपालन और डेयरी विभाग तथा विभिन्न मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। राष्ट्रीय सहकारी संस्थाओं, सहकारी महासंघों, सहकारी बैंकों, डेयरी सहकारी समितियों, भारत टैक्सी, पैक्स और सहकारिता क्षेत्र के अन्य हितधारकों के प्रतिनिधि भी कार्यक्रम में भाग लेंगे।

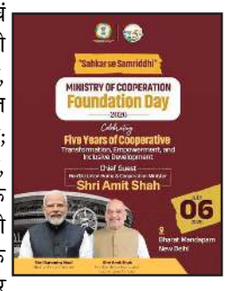

इस अवसर पर श्री अमित शाह कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं और पहलों का शिलान्यास एवं उद्घाटन करेंगे। इनमें 135 अन्न भंडारण गोदामों का हस्तांतरण, 85 गोदामों का लोकार्पण और 47 गोदामों का शिलान्यास; अमूल और ठउउऋ द्वारा सहकार वन का भूमि पूजन; उत्तर प्रदेश के बाराबंकी और महाराष्ट्र के जलगांव में इइरख्छ की टिश्यू कल्चर सुविधाओं का भूमि पूजन; ठउऊ 3.0 और जियो-टैग मोबाइल एप्लिकेशन का शुभारंभ, NDDB के दूध आपूर्ति समीक्षा डैशबोर्ड पोर्टल का शुभारंभ, कोऑपरेटिव इनपुट्स एंड सर्विसेज डिलीवरी मल्टी-स्टेट लिमिटेड के अंतर्गत डेयरी पशुओं की उत्पादकता से जुड़ी पहलें, कोऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स ऑर्गनाइजेशन मल्टी-स्टेट लिमिटेड का उद्घाटन; गोमय सहकारी समिति मल्टी-स्टेट लिमिटेड का उद्घाटन और NUCFDC की दो प्रमुख पहलों — सहकार उइर, केंद्रीकृत कोर बैंकिंग प्लेटफॉर्म, तथा सहकार सहयोगी, शहरी सहकारी बैंकों के लिए संवादात्मक AI-संचालित प्लेटफॉर्म — का अनावरण शामिल है।

लखनऊ में कलाकार-साहित्यकारों के बीच पहुंचे भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, बोले-शासन को भी दें अपना परामर्श

नितिन नवीन ने कहा कि मोदी सरकार की योजनाएं पंचवर्षीय नहीं हैं। हमारी योजनाएं अब 20-25 वर्षों के लिए बनती हैं।

(जीएनएस)।

लखनऊ। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को रविवार को अपने बीच पाकर साहित्यकार-कलाकार आ'दित थे। प्रसन्नता का यह भाव इसलिए भी था कि देश की सबसे बड़ी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उनके घर आए थे। नाश्ता कर रहे थे और सम्मान भी।

नितिन नवीन रविवार सुबह 11:30 बजे गोखले मार्ग स्थित विद्या विंदु सिंह के आवास पर पहुंचे। विद्या विंदु ने उन्हें फरा व दही-जलेबी खिलाई। इसके बाद नितिन ने साहित्यकारों और कलाकारों से संवाद किया। नितिन ने औपचारिकताओं की बजाए सहृदयता दिखाई और एक दिन पूर्व निर्धारित इस कार्यक्रम में न आ पाने पर माफी मांगी तो संस्कृतिकर्मियों ने मुस्कुराकर उनका अभिवादन किया।

पद्मश्री से अलंकृत वरिष्ठ साहित्यकार विद्या विंदु सिंह ने राजनेताओं को कलाकारों और साहित्यकारों के पास जाने का सुझाव दिया। इस पर नितिन ने सहमति व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कलाकारों व साहित्यकारों को शिक्षा, समाजसेवा सहित अन्य कार्यों के लिए शासन को सुझाव देना चाहिए। संवाद के दौरान घर में बने फरे को खाया तो विद्या विंदु सिंह ने हाथ से दही जलेबी को भी

खिलाया।

नितिन नवीन ने कहा कि मोदी सरकार की योजनाएं पंचवर्षीय नहीं हैं। हमारी योजनाएं अब 20-25 वर्षों के लिए बनती हैं। 17 मिनट की बातचीत में उन्होंने लखनऊ की समृद्ध कला-संस्कृति और खान-पान के बारे में भी बात की। लोक एवं उपशास्त्रीय गायिका मालिनी अवस्थी ने कहा कि जिस प्रदेश में अवधी, ब्रज, भोजपुरी व बुंदेली बोली जाती है, वहां लोग लोक कला से भागते थे, अपना नाम नहीं जोड़ना चाहते थे। वे अब लोक गायक या लोक गायिका लिखने लगे हैं।

इस सरकार ने लोक कलाकारों के सम्मान और स्वाभिमान के लिए काम किया है। पद्म पुरस्कारों के लिए बहुत काम किया। आजादी के बाद शायद इतना बड़ा काम हुआ, वरना हम सब नुमाइश की तरह उपयोग किए जाते थे। यह सुनकर नितिन नवीन मुस्कुराने लगे। दूरदर्शन के कार्यक्रम प्रमुख आत्मप्रकाश मिश्र ने कहा कि सरकार संस्कृतिकर्मियों, साहित्यकारों का सम्मान करे और उनके घर जाए, इससे बड़ा और कुछ नहीं हो सकता। इस पर नितिन नवीन ने कहा कि हमारा यही प्रयास है कि सबका साथ, सबका विकास के साथ सबका विश्वास हो।

इससे पहले विद्या विंदु सिंह, मालिनी अवस्थी व आत्म प्रकाश मिश्र ने नितिन नवीन का अभिनंदन किया। नितिन ने भी साहित्यकारों व संस्कृतिकर्मियों को अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज सिंह, पूर्व डीजीपी विजय कुमार, वरिष्ठ नृत्यांगना पूर्णिमा पांडेय, एएन सिंह, मीडिया प्रभारी अनुराग साहू आदि उपस्थित रहे।

जलेबी दही और फरा भी खाया

वरिष्ठ साहित्यकार विद्या विंदु सिंह ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को भारतीय व्यंजन दही-जलेबी और फरा ही खिलाया। फरा उठाकर उन्होंने खुद खाया, जबकि दही जलेबी विद्या विंदु ने अपने हाथों से खिलाया। हालांकि दही बड़ा और पोहा भी बनवाया गया था। वहां इस बात की चर्चा रही कि नितिन नवीन बिहार के हैं और फरा बिहार में प्रचलित व्यंजन है, जबकि दही-जलेबी लखनऊ का लोकप्रिय नाश्ता है। इसलिए दोनों को जोड़कर नितिन नवीन का नाश्ता चुना गया। हालांकि विद्या विंदु सिंह का कहना था कि हम भारतीय, इसलिए व्यंजन भी भारतीय खिलाया। उन्होंने फरा और दही जलेबी को खिलाने का कोई खास कारण नहीं माना।

'भारत संविधान से चलेगा, किसी धर्म विशेष से नहीं', संभल में सीएम योगी के बयान पर जियाउर्रहमान बर्क का पलटवार

सीएम योगी आदित्यनाथ के 'रामराज' बयान पर संभल से सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि भारत किसी धर्म विशेष का नहीं, बल्कि संविधान का देश है।

(जीएनएस)।

संभलः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'रामराज' संबंधी बयान को लेकर प्रदेश की राजनीति में बयानबाजी तेज हो गई है। संभल से समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने मुख्यमंत्री के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत किसी एक धर्म विशेष का नहीं, बल्कि संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों का देश है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जैसे संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को अपने वक्तव्यों में संवैधानिक मर्यादा का ध्यान रखना चाहिए।

बर्क ने कहा कि भारत महात्मा गांधी, बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर, मौलाना अबुल कलाम आजाद, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम और खान अब्दुल गफ्फार खान जैसे महान नेताओं के विचारों से निर्मित राष्ट्र है। यहां किसी धर्म विशेष का

शासन नहीं, बल्कि संविधान सर्वोपरि है।

कुंदरकी उपचुनाव पर लगाए गंभीर आरोप

सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने कुंदरकी उपचुनाव का जिक्र करते हुए सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि वहां लोकतांत्रिक चुनाव नहीं, बल्कि "सिलेक्शन" कराया गया। उनका दावा है कि आगामी विधानसभा चुनाव में प्रदेश की जनता बेरोजगारी, महंगाई और विकास जैसे मुद्दों पर मतदान करेगी और समाजवादी पार्टी को पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में लाएगी।

'साइकिल की हवा नहीं निकली, फैसला जनता करेगी'

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उस बयान पर भी बर्क ने पलटवार किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि समाजवादी पार्टी की साइकिल की हवा निकल चुकी है। इस पर सांसद ने कहा कि यह मुख्यमंत्री की व्यक्तिगत राय हो सकती है, लेकिन लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता करती है। चुनाव परिणाम ही तय करेंगे कि किसकी राजनीतिक स्थिति मजबूत है।

राम मंदिर चंदा विवाद पर क्या बोले बर्क?

राम मंदिर में चंदा गड़बड़ी के सवाल पर बर्क ने कहा कि वह दूसरे धर्म के मामलों में टिप्पणी नहीं करना चाहते। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि यदि श्रद्धालुओं के दान में किसी प्रकार की अनियमितता हुई है तो सरकार को निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। उनका कहना था कि यदि पारदर्शिता नहीं बरती गई तो इसका असर आगामी चुनावों में देखने को मिल सकता है।

सीएम ब्रजेश पाठक के आवास पर मैंगो पार्टी, भाजपा अध्यक्ष व सीएम योगी सहित सभी वरिष्ठ नेता ने उठाया आनंद

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के सरकारी आवास पर मैंगो पार्टी आयोजित की गई यहां भरपूर सियासी जमघट भी बताया जा रहा है। संगठन और सरकार के बीच बेहतर तालमेल पर मंथन हुआ। इस मौके पर एक दशक में पहली बार एक साथ दिखे भाजपा के दिग्गज, सरकार और संगठन एक साथ

(जीएनएस)।

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन दो दिन के लखनऊ दौरे पर दूसरे दिन रविवार दोपहर में राजभवन कालोनी पहुंचे। यहां पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के सरकारी आवास पर मैंगो पार्टी आयोजित की गई थी। उनके साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के साथ वरिष्ठ पदाधिकारी और मंत्री भी थे।

ब्रजेश पाठक के आवास पर चारपाई पर बैठकर सभी ने आम की दावत का लुत्फ उठाया। एक दशक में पहली बार भाजपा के दिग्गजों को एक साथ एक स्थान देखा गया। भाजपा के सरकार और संगठन के दिग्गजों ने एक साथ मैंगो पार्टी की। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, सीएम योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी व डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के साथ अन्य नेताओं ने चारपाई पर बैठकर रसीले आम का स्वाद लिया। सभी नेताओं ने अनौपचारिक माहौल में आम का स्वाद लिया। इसे संगठन और सरकार के शीर्ष नेतृत्व के बीच समन्वय के संदेश के रूप में भी देखा गया।

डिप्टी सीएम पाठक के आवास मैंगो पार्टी और लंच पर यूपी की सियासी चर्चा भी हुई। भाजपा अध्यक्ष के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस दौरान काफी देर तक मुस्कुराते नजर आए। इसको पाठक के आवास पर आम के साथ सियासी जमघट भी बताया जा रहा है। संगठन और सरकार के बीच बेहतर तालमेल पर मंथन हुआ। 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर नेताओं के बीच चर्चा हुई।

2027 में पिछले सारे रिकॉर्ड ध्वस्त होंगे : नितिन नवीन

नितिन नवीन ने इस दौरान दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा 2027 में पिछले सभी चुनावी रिकॉर्ड तोड़ते हुए लगातार तीसरी बार प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि भाजपा और एनडीए के सभी सहयोगी उत्तर प्रदेश को 'उत्तम प्रदेश' बनाने के संकल्प के साथ काम कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में उतरने का तैयारी में लोक जनशक्ति पार्टी, लखनऊ में चिराग पासवान ने पेश किया दावा

लोक जनशक्ति पार्टी के अध्यक्ष चिराग पासवान ने कहा कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस तो भाई से भाई को लड़ाने का काम करते हैं

पार्टी के संस्थापक रामविलास पासवान की जयंती पर लखनऊ में नव संकल्प सभा

चिराग पासवान ने किया दावा-मेरे रहते कोई समाप्त नहीं कर सकता आरक्षण और संविधान

सपा और कांग्रेस पर हमला, बोले-इनकी नीति ही भाई को भाई से लड़वाने की रही

(जीएनएस)।

लखनऊ। एनडीए के एक और सहयोगी दल लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 के लिए अपनी दावेदारी पेश कर दी है। पार्टी के संस्थापक राम विलास पासवान की जयंती पर लखनऊ में नव संकल्प सभा में पधारे राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने रविवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित नव संकल्प सभा में 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव का शंखनाद किया।

बिहार के हाजीपुर से लोकसभा के सदस्य और नरेन्द्र मोदी सरकार में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव का शंखनाद किया। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में बड़े पैमाने पर कार्यकताओं की उपस्थिति दर्ज कराकर पार्टी ने भी अपना दावा पेश किया। चिराग पासवान ने कहा कि आज का दिन हम सबको प्रेरणा देता है, वहीं आज का दिन मेरे लिए भावनाओं से भरा होता है। कई यादें जेहन में कौंधती हैं। स्कूल ले जाना। राजनीति में उंगली पकड़कर चलाना। जिन सपनों को वो अधूरा छोड़कर गए, उनका अंश होने के नाते मेरी जिम्मेदारी उनके हर सपने को पूरा करूं।

नव संकल्प सभा में किया बड़ा दावा

चिराग पासवान ने नव संकल्प सभा में दावा किया कि मेरे रहते आरक्षण और संविधान को कोई भी समाप्त नहीं कर सकता है। मैं आप लोगों को विश्वास दिलाता हूं जो लोग बात बात पर आरक्षण और संविधान को समाप्त करने की बात करते हैं, चिराग पासवान के होते हुए कोई खतरा नहीं। खतरा उनके मंसूबों को है। उन्होंने कहा कि मैं एक ऐसा उत्तर प्रदेश दूंगा, जो जात-पांत से दूर रहे। यह अकेले नहीं कर पाऊंगा। इसमें मुझे आप सबका साथ चाहिए।

भाई से भाई को लड़ाते हैं सपा-कांग्रेस

लोक जनशक्ति पार्टी के अध्यक्ष चिराग पासवान ने कहा कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस तो भाई से भाई को लड़ाने का काम करते हैं,

ये लोग युवाओं को एकजुट कैसे कर पाएंगे। सपा-कांग्रेस ने यहां भाई को भाई से लड़वाने का काम किया। हम ऐसा नहीं होने देंगे। हम एकता के सूत्र में बांधेंगे। लोगों को भ्रमित किया जाता है। यह लोग तो आज भी अनुसूचित जाति के साथ भेदभाव करते हैं। खतरा उनकी राजनीति को है जो भाई को भाई से लड़वाना चाहते हैं। सपा और कांग्रेस की नीति ही भाई को भाई से लड़वाने की रही। जाति और संप्रदाय को लेकर लदवाकर रोटियां सेकते हैं। सपा और कांग्रेस ने हमारे समाज के साथ विश्वासघात किया। ऐसे लोगों की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय करने का समय है।

बेहतर शिक्षा और बेहतर रोजगार मिले

उन्होंने कहा कि न हम हमारी विरासत पर कोई आंच आने देंगे और न ही बच्चों के भविष्य को। बेहतर शिक्षा और बेहतर रोजगार मिले, उस दिशा में आगे बढ़ेंगे। हमको एकजुट होकर विकास की राह पर आगे बढ़ने का काम करने की जरूरत है। हमारी पिछली पीढ़ी ने बहुत संघर्ष किया है। आने वाली पीढ़ी के लिए आज संघर्ष करना होगा।

पिता राम विलास पासवान को किया याद

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के साथ मेरे पिता का अटूट रिश्ता रहा है। इसी कारण आज उनकी जयंती पर अपनी पार्टी से आपके बीच अपनी पहुंचा। उन्होंने कहा कि मेरे पिता से उत्तर प्रदेश के लिए जितना बन पाया उन्होंने करने का प्रयास किया। अभी तो एक लंबा सफर तय करना बाकी है। आज आप सबका आशीर्वाद लेने आया हूं। हमारा प्रयास है कि ऐसे समाज के निर्माण की शुरूआत कर सकें, जिसकी कल्पना हमारे नेता ने की थी। एक समान भागीदारी, समान अवसर मिले।

विचारों व सिद्धांतों से भरा था पूरा जीवन

चिराग पासवान ने कहा कि राम विलास पासवान एक व्यक्ति का नाम नहीं था। पासवान जी का पूरा जीवन विचारों और सिद्धांतों से भरा हुआ था। उनको देश में छह-छह प्रधानमंत्री के साथ काम करने का मौका मिला। वह नौ बार लोकसभा सदस्य बने। उनका तो गिनीज बुक में नाम दर्ज है। उन्होंने लोकसभा चुनाव सबसे अधिक मार्जिन से जीतने का रिकार्ड बनाया।

राम विलास पासवान जी ने सबसे पहले ऊंची जाति के लिए भी आरक्षण की मांग की। केंद्र सरकार में मंत्री ने कहा कि किसी समय मोबाइल फोन अमीरों की जागीर मानी जाती थी। एक दौर था इनकमिंग के लिए भी रुपये देने पड़ते थे। उस वक्त मेरे नेता ने कहा था एक दिन ऐसा मोबाइल लाऊंगा जो बैगन के भाव बिकेगा, सबके हाथ में होगा। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को पासवान जी के बारे में जानना जरूरी है। उनके जाने के बाद मैं उनके काम और विचारों को आगे बढ़ाने का काम करूंगा। मेरी पार्टी में हर कार्यकर्ता प्रयासरत रहता है कि कैसे समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चले।

चिराग पासवान पहली बार 2014 लोकसभा चुनाव में बिहार के जमुई सीट से जीते थे। चिराग पासवान ने 2019 के लोकसभा चुनाव में इसी सीट से जीत दर्ज की और दूसरी बार लोक सभा के सांसद बने। 2024 में पिता रामविलास पासवान की कर्मभूमि हाजीपुर से लोकसभा का चुनाव लड़े और केन्द्र सरकार में कैबिनेट मंत्री बने। 2010 से 2011 तक चिराग पासवान ने तीन हिंदी फिल्मों में बतौर अभिनेता काम किया। 'मिले ना मिले हम' और 'वन एंड ओनली' जैसी फिल्मों में अभिनेता रहे।

श्रीकृष्ण से विवेकानंद तक, महानाट्य ने दिया कर्म और राष्ट्रभक्ति का संदेश

महानाट्य ने दिया कर्म और राष्ट्रभक्ति का संदेश

(जीएनएस)।

लखनऊ। कभी नटखट कान्हा की माखन चोरी पर मुस्कान बिखरी, तो अगले ही पल कुरुक्षेत्र में गीता का अमर संदेश गूंज उठा। अंत में स्वामी विवेकानंद के प्रेरक विचारों ने पूरा माहौल राष्ट्रभक्ति से भर दिया। भारतेंदु नाट्य अकादमी के राज बिसारिया प्रेक्षागृह में रविवार की शाम मंचित महानाट्य "कर्मण्येवाधिकारस्तेः मुरली से मातृभूमि तक" ने दर्शकों को अध्यात्म, संस्कृति और देशभक्ति की अनोखी यात्रा कराई।

ग्रीष्मकालीन बाल रंग कार्यशाला के समापन पर गुजरात के रंगनिर्देशक वॉल्टर पीटर के निर्देशन और डॉ. सुमित श्रीवास्तव के संयोजन में 100 से अधिक बच्चों ने शानदार अभिनय किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक रहे।

नाटक में श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, कंस वध और अर्जुन को दिए गए "कर्मण्येवाधिकारस्ते" के संदेश को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। 11 कृष्ण और 11 राधा की मनोहारी प्रस्तुति विशेष आकर्षण रही। स्वामी विवेकानंद के चरित्र ने यह संदेश दिया कि गीता की सीख आज भी समाज और राष्ट्र को सही दिशा देती है। अर्जुन की भूमिका श्री श्रीवास्तव, दुआ अजीम, दानिया अजीम, मंजरी चंद्रा, आद्या शुक्ला, दिविजा पाहवा, अवनी, एलेक्स बिश्नोई और यथार्थ सिंह कारकी सहित अनेक बाल कलाकारों ने निभाई।

12 जुलाई को बनेगा नया इतिहास, एक दिन में 35 करोड़ पौधे लगाएगी योगी सरकार

(जीएनएस)।

लखनऊ। योगी सरकार 12 जुलाई (रविवार) को फिर नया इतिहास रचेगी। पौधरोपण महाभियान-2026 के तहत जनसहभागिता से पूरे प्रदेश में एक दिन में 35 करोड़ पौधे रोपे जाएंगे। इसके लिए नोडल (वन, पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन विभाग) ने तैयारी शुरू कर दी है। अभियान की सफलता के लिए मुख्यमंत्री सोमवार से जनप्रतिनिधियों से संवाद करेंगे और अधिकारियों की भी निरंतर बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश देंगे। वहीं वन मंत्री भी अन्य विभागों के मंत्रियों के साथ बैठक कर इसकी सफलता को लेकर विचार-विमर्श करेंगे।

जनसहभागिता से फिर होगा अभूतपूर्व आयोजन

मुख्यमंत्री के निर्देश पर केंद्र-प्रदेश सरकार के विभागों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, स्कूलों-कॉलेजों समेत व्यापक जनसहभागिता से उत्सव के रूप में महाभियान चलेगा। व्यापक जनसहभागिता के साथ ही केंद्र व प्रदेश सरकार के विभाग मिलकर इस वर्ष 35 करोड़ पौधरोपण करेंगे।

वन, पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन विभाग लगाएगा सर्वाधिक 15.50 करोड़ पौधे

वन, पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन विभाग सर्वाधिक 15.50 करोड़ पौधरोपण करेगा। ग्राम्य विकास विभाग 10 करोड़, कृषि विभाग 3.25 करोड़, उद्यान 1.50 करोड़, पंचायती राज विभाग 1.22 करोड़ पौधे लगाएगा। गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे भी 5.50 लाख पौधे लगेंगे। नोडल विभाग (वन, पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन) होगा। इसे लेकर जिला वृक्षारोपण समिति की नियमित बैठकें भी चल रही हैं।

कई विशिष्ट वनों की होगी शुरूआत

योगी सरकार प्रत्येक वर्ष नवीन विशिष्ट वन स्थापित करती है। इस थीम के अंतर्गत पौधरोपण महाभियान-2026 में इस वर्ष समरस वन, समृद्धि वन, कृषि वन, ऊर्जा वन, कपि वन समेत अनेक नवीन वन तैयार किए जाएंगे। महर्षि चरक औषधि वन की शुरूआत 5 जून (विश्व पर्यावरण दिवस) पर की गई है। अभियान का प्रमुख हिस्सा मिशन छाया, अविरल धारा पौधरोपण, सहजन भंडारा, आम भंडारा भी होगा। मिशन छाया के तहत गर्मी से राहत देने के लिए सड़क किनारे व सार्वजनिक स्थलों पर छायादार पौधे भी लगाए जाएंगे। इसके अलावा 15 अगस्त को वंदे मातरम वाटिका, 28 अगस्त को रक्षाबंधन पर भाई-बहन पौधरोपण व 5 सितंबर को शिक्षक दिवस पर 'एक पेड़ गुरु के नाम' भी लगाया जाएगा।

52.44 करोड़ पौधे कराए जा रहे तैयार

वृहद पौधरोपण के लिए वन, पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन विभाग इस वर्ष 52.44 करोड़ पौधे तैयार किए गए हैं। इन पौधों को भी अब वितरित किया जाएगा।

गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे लगेंगे 5.50 लाख पौधे

प्रदेश के एक्सप्रेसवे के किनारे भी पौधरोपण किया जाएगा। इस बार विशेष रूप से गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे पौधे लगाए जाएंगे। 594 किमी. लंबे गंगा एक्सप्रेसवे की दोनों पटरियों पर वन विभाग 500 हेक्टेयर क्षेत्र में 5.50 लाख पौधरोपण करेगा। दोनों पटरी पर हर एक किमी. पर हरिशंकरी रोपा जाएगा, जबकि बीच-बीच में पीपल, पाकड़, बरगद, नीम, गूलर, महुआ, आम, अर्जुन, चिलबिल, अमलतास, कचनार, जकरकंडा, गुलमोहर आदि प्रजातियों को प्राथमिकता दी जाएगी। इनकी सुरक्षा के लिए तार से फेंसिंग व सिंचाई के लिए ड्रिप इरीगेशन सुनिश्चित की जाएगी।

मुख्यमंत्री का निर्देश- जनसहभागिता से मनाया जाए उत्सव

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पौधरोपण महाभियान-2026 की तैयारी को लेकर निरंतर बैठक करेंगे। वहीं वन मंत्री अन्य विभागों के मंत्रियों, अधिकारियों के साथ ही इसकी सफलता को लेकर विचार-विमर्श करेंगे। मुख्यमंत्री ने जनसहभागिता पर विशेष जोर देते हुए इसे उत्सव के रूप में मनाने का निर्देश दिया है। सीएम योगी ने महाभियान में सभी जनप्रतिनिधियों, संस्थाओं, एनसीसी, एनएसएस, नेहरू युवा केंद्र, युवक-महिला मंगल दल, रोटरी-लायंस, इको क्लब, एफपीओ, व्यापार मंडल आदि की भी सहभागिता अनिवार्य रूप से करने के लिए वन विभाग को निर्देश दिया है। कृषि विभाग की देखरेख में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के पंजीकृत किसान भी महाभियान का हिस्सा बनेंगे।

PRGI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

जर्मन मीडिया हाउस के हवाले से संकेत ईरान में है दहशत

ईरान के मारे गए सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई की अंत्येष्टि के लिए दुनिया के कई बड़े नेताओं को आमन्त्रित करके तेहरान ने यह दिखाने की कोशिश की है कि वह अपने नेता को कितना अधिक सम्मान करते हैं किन्तु जर्मनी के मीडिया हाउस डाई वेल्ट ने खुफिया एजेंसी रिपोर्ट के हवाले से दावा किया है कि तेहरान सरकार इस बात को लेकर दहशत में है कि यदि इस मौके पर इजरायल और अमेरिका ने हमला कर दिया तो कम से कम 1500 और ज्यादा से ज्यादा 3000 लोगों के मारे जाने की आशंका है। इसीलिए इस 6 दिवसीय कार्यव्रम में सुप्रीम नेता मोजतबा खामेनेई भी शामिल नहीं हो रहे हैं और तेहरान सरकार ने शवों को गिनने तथा दफनाने की पहले से ही व्यवस्था कर ली है।

दरअसल ईरान को हर बार अमेरिका और इजरायल ने धोखा दिया है। फरवरी में भी तेहरान से कहा गया कि उसके साथ समझौता होगा और हुआ क्या। उसके शीर्ष राजनेताओं, सैन्य अधिकारियों, परमाणु वैज्ञानिकों को उड़ा दिया गया। पहले भी जब कभी ईरान के साथ मीटिंग की बात की गई, तो या तो तेहरान पर कड़ी शर्तें लगा दी गईं अथवा उनके नेताओं, सैन्य अधिकारियों या फिर वैज्ञानिकों को निशाना बनाया गया। यही कारण है कि तेहरान में इस बात का खौफ है कि यदि अमेरिका का भरोसा कर भी लिया जाए तो इजरायल पर विश्वास करना उचित नहीं होगा।

सच तो यह है कि इजरायल भारत का उतना ही अभिन्न मित्र है जितना कि आज की तारीख में रूस है। किन्तु रूस के साथ भारत का सम्बन्ध ऐसा है कि वह मात्र अपने हितों के लिए अपने मित्रों के हितों के साथ खिलवाड़ नहीं करता। किन्तु इजरायल ने ईरान के खिलाफ जो धुंआधार हमले किए और उसकी प्रतिव्रिया में ईरान ने जो हमले किए उससे सबसे ज्यादा तबाही का शिकार भारतीय अर्थव्यवस्था हुई। हमारी आर्थिक वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत से नीचे पहुंच गई। इसके लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार नादान दोस्त इजरायल ही है।

बहरहाल इजरायल को लगता है कि जब तक ईरान का अस्तित्व रहेगा तब तक उसके अस्तित्व को चुनौती मिलती रहेगी। यही कारण है कि इजरायल, ईरान के नेतृत्व को खत्म कर देना चाहता है। इसके लिए ईरान का नेतृत्व भी कम जिम्मेदार नहीं है। ईरान के नेताओं ने कई बार यह दुहराया है कि यहूदियों को तो जिन्दा रहने का अधिकार ही नहीं है। ईरान के नेताओं की इसी धमकी को दुनिया भर के यहूदियों ने मुद्दा बना लिया।

अमेरिका के जितने भी सम्पन्न यहूदी हैं वे सभी वाशिंगटन डीसी को इस बात की धमकी देते हैं कि यदि ईरान की वजह इजरायल को कोई खतरा हुआ तो वे अमेरिका सरकार को किसी तरह का सहयोग नहीं करेंगे। यही नहीं अमेरिका की दोनों ही पार्टियां यहूदियों के मुद्दे पर इजरायल के साथ खड़ी रहती हैं। किन्तु सबसे बड़ा सवाल तो यह है कि 9 करोड़ की जनसंख्या वाला देश ईरान को गाजा की तरह खत्म तो नहीं किया जा सकता। मतलब यह कि न तो इजरायल को दुनिया के मानचित्र से हटाया जा सकता है और न ही ईरान के लोगों को फारस की खाड़ी में मार कर डाला जा सकता है किन्तु दोनों एक-दूसरे के देशवासियों में खौफ पैदा करने की कोशिश करते रहते हैं। संधियों और समझौतों के बावजूद इजरायल और इराक एक-दूसरे को शत्रु समझते हैं और हमले की रणनीति बनाते रहते हैं।

पूर्व प्रदेश अध्यक्षों के साथ बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने ली चाय की चुस्की, की आगामी चुनाव पर चर्चा

(जीएनएस)।

लखनऊः भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन अपने दो दिवसीय लखनऊ दौरे पर हैं. दूसरे दिन रविवार को उन्होंने अपने दिन की शुरूआत भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्षों के साथ चाय पर चर्चा से शुरू की. राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पूर्व प्रदेश अध्यक्षों की मेहनत को सराहा. राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पूर्व प्रदेश अध्यक्षों से आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के परिप्रेक्ष्य में कई सारी अहम जानकारियां हासिल कीं. 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव के लिए उन्होंने पूर्व प्रदेश अध्यक्षों के साथ रणनीति बनाई. इस मौके पर उनके साथ प्रभारी बीएल संतोष, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और संगठन मंत्री धर्मपाल सिंह भी मौजूद रहे.

नितिन नबीन ने पार्टी कार्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और वर्तमान में उत्तर प्रदेश सरकार में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और वर्तमान कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व वर्तमान में कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र चौधरी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व वर्तमान में कैबिनेट मंत्री सूर्य प्रताप शाही, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व वर्तमान राज्यसभा सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेई मौजूद रहे.

इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उत्तर प्रदेश के सभी पूर्व अध्यक्षों से बात की. आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर जातीय समीकरण को साधने के साथ ही किस तरह की रणनीति पर काम करना है, इसके बारे में भी विमर्श किया. सभी पूर्व प्रदेश अध्यक्षों ने अपने-अपने कार्यकाल के दौरान जो भी रणनीति अपनाई, उसके बारे में भी बात की. राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सभी पूर्व प्रदेश अध्यक्षों को वर्तमान टीम के साथ एकजुट होकर काम करने और एक बार फिर 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने के लिए पुरजोर तरीके से जुटने का आ'ान किया.

इस मीटिंग के बाद लखनऊ के एक बड़े होटल में एनडीए के सहयोगी दलों के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन मीटिंग करने पहुंचे. यहां पर उनके साथ प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी मौजूद रहे. बीजेपी के सहयोगी दलों में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार में कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर, निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद, अपना दल (सोनेलाल) की तरफ से कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल और राष्ट्रीय लोक दल की तरफ से महासचिव त्रिलोक त्यागी इस मीटिंग में मौजूद रहे. भारतीय जनता पार्टी की तरफ से कई अन्य नेता भी मीटिंग में पहुंचे.

इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने सभी सहयोगी दलों के नेताओं से बात की. उन्होंने कहा कि जिस तरह की एकजुटता अभी तक आपस में बरकरार है, यही एकता आगामी विधानसभा चुनाव में भी बरकरार रहेगी. सीटों को लेकर भी राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ सहयोगी दलों के नेताओं की चर्चा हुई. इस पर राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने भरोसा दिया कि भारतीय जनता पार्टी किसी भी सहयोगी दल के साथ अन्याय नहीं होने देगी. सभी को उनके हिस्से की सीटें जरूर मिलेंगी. राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि 2027 में भी हम सब मिलकर उत्तर प्रदेश में मजबूत सरकार बनाएंगे.

दूसरी ओर सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष सभी सहयोगी दलों से अलग-अलग मुलाकात कर रहे हैं और हर बैठक में सिर्फ जीत की रणनीति पर चर्चा हुई है. उन्होंने कहा कि एनडीए का लक्ष्य प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर मजबूती से चुनाव लड़ना और 2017 से अधिक सीटें जीतना है. चौरी-चौरा सीट या किसी अन्य सीट को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है.

इस मौके पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा 2027 में लगातार तीसरी बार सरकार बनाएगी. दावा किया कि प्रदेश की जनता गुंडाराज, माफियाराज, दंगों और वंशवादी राजनीति नहीं बल्कि विकास, सुशासन और सुरक्षा के पक्ष में है. प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का यह पूरी तरह संगठनात्मक प्रवास है. उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों को आगामी चुनावों के लिए संगठन मजबूत करने और सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का मंत्र दिया है. उन्होंने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उसका एजेंडा समाज को जाति, भाषा और क्षेत्र के आधार पर बांटना है, जिसे प्रदेश की जनता भलीभांति समझ चुकी है. कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि जनसंघ से लेकर भाजपा तक पार्टी की सबसे बड़ी ताकत उसका कार्यकर्ता है. कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता जातिवाद, क्षेत्रवाद, व्यक्तिवाद और वंशवाद से ऊपर उठकर राष्ट्रवाद की भावना के साथ काम करता है.

बता दें कि, इससे पहले शनिवार को देश की राजधानी नई दिल्ली से उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के लिए बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन रवाना हुए. लखनऊ के चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर पहुंचते ही उनके स्वागत कार्यक्रम का दौर शुरू हो गया. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दोनों डिप्टी सीएम समेत तमाम कैबिनेट मंत्री और भाजपा के बड़े नेता स्वागत के लिए पहुंचे. बीजेपी कार्यालय तक पहुंचने उन्हें कई घंटे लग गए. सड़कों पर भाजपा कार्यकर्ताओं का हुजूम उमड़ पड़ा. बीजेपी कार्यालय पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत हुआ. यहां पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सांसदों और विधायकों के साथ बैठक कर यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा की. इसके बाद देर शाम लखनऊ की एक मशहूर चाय की दुकान पर भाजपा नेताओं के साथ चाय और बन मस्का का भी स्वाद लेने पहुंचे. शाम को उन्होंने मशहूर इतिहासकार डॉ.विद्या बिंदु सिंह के आवास पर पहुंचकर उनसे मुलाकात की. मुख्यमंत्री आवास पर यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी मुलाकात की.

54 के सीएम योगी... 27 की जंग, राम नाम पर लड़ाई भीषण, क्या सपाई पीडीए का चक्रव्यूह तोड़ पाएगी बीजेपी?

यूपी विधानसभा चुनाव 2027 की लड़ाई बेहद दिलचस्प हो चुकी है. 54 साल के हो चुके सीएम योगी आदित्यनाथ एक बार फिर बीजेपी के सबसे बड़े ट्रंप कार्ड बनकर उभरे हैं. राम नाम और कानून व्यवस्था के एजेंडे पर आगे बढ़ रही बीजेपी के सामने इस बार सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव का पीडीए चक्रव्यूह है. क्या यूपी चुनाव 2027 योगी की लड़ाई योगी से ही है या फिर अखिलेश यादव से?

(जीएनएस)।

लखनऊ. उत्तर प्रदेश की सियासत में साल 2027 का विधानसभा चुनाव सिर्फ एक सूबे की सत्ता का फैसला नहीं करेगा, बल्कि यह देश की भविष्य की राजनीति की दिशा तय करने वाला है. 5 जून 1972 को जन्मे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अब 54 साल के हो चुके हैं. उनके राजनीतिक जीवन के लिए यह पड़ाव सबसे अहम माना जा रहा है. बीते कुछ सालों से बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व के लिए योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश में निर्विवाद चेहरा बने हुए हैं. यही कारण है कि प्रभु राम के नाम का मंत्र और राम मंदिर के सांस्कृतिक गौरव को ढाल बनाकर वह लगातार मैदान में डटे हुए हैं. बीजेपी के प्रशासनिक पकड़, कठिन दिनचर्या और हिंदुत्व के साथ-साथ विकास का कॉम्बिनेशन उन्हें पार्टी में सबसे खास बनाता है. बीजेपी के केंद्र में उनके रहने की तीन मुख्य वजहें हैं पहला, 'बुलडोजर मॉडल' और अपराध पर जीरो टॉलरेंस की नीति ने पूरे देश में योगी की एक अलग पहचान बनाई है. अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद से हिंदुत्व के एजेंडे को जमीन पर उतारने का श्रेय सीधे योगी आदित्यनाथ के खाते में जाता है. राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के लखनऊ दौरे के दौरान यह साफ हो गया कि संगठन और सरकार के बीच समन्वय की धुरी केवल और केवल सीएम योगी ही हैं.

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सूबे की राजनीति को 'मंडल बनाम कमंडल' के पुराने दौर की तरह एक नए खांचे में फिट कर दिया है, जिसे उन्होंने ढऊअ पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक का नाम दिया है. हाल के लोकसभा चुनावों में इस फॉमूर्ले ने बीजेपी को तगड़ा नुकसान पहुंचाया था. अखिलेश लगातार जातीय जनगणना का मुद्दा उठाकर गैर-यादव पिछड़ों और दलितों को अपने पाले में लाने की कोशिश कर रहे हैं. स्थानीय मुद्दों पर घेराबंदी जैसे पेपर लीक, बेरोजगारी और महंगाई जैसे मुद्दों को उठाकर सपा युवाओं को सीधे साध रही है.

उत्तर प्रदेश में राम मंदिर निर्माण और सनातन संस्कृति का मुद्दा हमेशा से भाजपा का सबसे मजबूत आधार रहा है. 2027 के चुनाव में भी भाजपा 'राम का नाम' लेकर राष्ट्रवाद और सांस्कृतिक अस्मिता के एजेंडे को धार दे रही है. लेकिन इस बार लड़ाई इसलिए भीषण है क्योंकि सपा इस धार्मिक ध्रुवीकरण को 'सामाजिक न्याय' और 'हक-अधिकार' की लड़ाई से काटना चाहती है. हाल ही में अयोध्या कांड यानी चंदा चोरी का मामला विपक्ष खसाकर सपा और अखिलेश यादव पूरे जोर- शोर से उठा रहे हैं. ऐसे में 54 साल के योगी आदित्यनाथ के लिए 2027 की जंग उनके राजनीतिक करियर की सबसे बड़ी परीक्षा है. अगर वे अखिलेश यादव के इस चक्रव्यूह को भेदने में सफल रहते हैं, तो न केवल उत्तर प्रदेश में भाजपा की हैट्रिक लगेगी, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में भी उनका कद बेहद मजबूत हो जाएगा.'

बीजेपी इस बार किसी भी स्तर पर अति-आत्मविश्वास में नहीं दिख रही है.

बीजेपी इस बार किसी भी स्तर पर अति-आत्मविश्वास में नहीं दिख रही है. नितिन नवीन के हालिया दौरों और मैराथन बैठकों से साफ है कि भाजपा अपने 'बूथ प्रबंधन' और 'शक्ति केंद्रों' को नए सिरे से एक्टिवेट कर रही है. योगी आदित्यनाथ का सीधा मुकाबला अब अखिलेश के जमीनी समीकरणों से है. बीजेपी जहां 'राम नाम' और राष्ट्रवाद के सहारे बंटे हुए हिंदू वोटों को एक छत के नीचे लाने का प्रयास करेगी, वहीं अखिलेश यादव दलित-पिछड़ा गठजोड़ को टूटने से बचाने की कोशिश करेंगे. देखना दिलचस्प होगा कि 54 साल के संन्यासी का 'सियासी प्रताप' 2027 की इस भीषण जंग में विपक्ष के चक्रव्यूह को कैसे नेस्तनाबूद करता है.

संस्कृति मंत्रालय द्वारा कोलकाता में भारत केसरी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125 वीं जयंती पर आयोजित करेगा एक विशेष स्मरणीय कार्यक्रम

(जीएनएस)।

संस्कृति मंत्रालय, पश्चिम बंगाल सरकार के सहयोग से, कल (6 जुलाई 2026) कोलकाता के मिलन मेला प्रांगण में एक विशेष स्मारक कार्यक्रम आयोजित करेगा। यह कार्यक्रम 'भारत केसरी' डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के दो वर्षीय आधिकारिक उत्सव के अंग के रूप में आयोजित किया जा रहा है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस अवसर पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत, पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री श्री सुवेंदु अधिकारी, पश्चिम बंगाल सरकार के मुख्य सचिव श्री मनोज अग्रवाल, संस्कृति मंत्रालय के सचिव श्री विवेक अग्रवाल और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहेंगे।

संस्कृति मंत्रालय ने साल 2025 में 'भारत केसरी' डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर दो साल के राष्ट्रव्यापी उत्सव की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य इस दूरदर्शी राजनेता, शिक्षाविद्, सांसद और राष्ट्रवादी नेता की स्थायी विरासत को सम्मान देना है, जिनके योगदान ने भारत के राजनीतिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक और औद्योगिक परिदृश्य को महत्वपूर्ण रूप से आकार दिया।

दिन के कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि श्री अमित शाह और अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा भवानीपुर, कोलकाता में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के निवास स्थान पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ होगी। इसके बाद, मुख्य अतिथि इको पार्क का दौरा करेंगे, जहाँ वे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रस्तावित 125 फीट ऊंची प्रतिमा का भूमि पूजन और शिलान्यास करेंगे। यह राष्ट्र के प्रति उनके स्थायी योगदान को सम्मान देने की एक ऐतिहासिक पहल है।

मिलन मेला प्रांगण में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन और विरासत को समर्पित एक विशेष प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया जाएगा। दुर्लभ तस्वीरों, अभिलेखीय दस्तावेजों और व्यापक मल्टीमीडिया डिस्प्ले के माध्यम से, यह प्रदर्शनी उनकी व्यक्तिगत यात्रा, वैचारिक दृष्टिकोण, शैक्षिक सुधारों और भारत के लोकतांत्रिक संस्थानों व औद्योगिक विकास को मजबूत करने में उनकी अनूठी भूमिका को दर्शाएगी।

मिलन मेला प्रांगण में आयोजित स्मारक कार्यक्रम में सामूहिक वंदे मातरम गान होगा, जिसके बाद सीसीआरटी द्वारा "सुर, संस्कृति एवं राष्ट्र" शीर्षक से एक भव्य संगीतमय श्रद्धांजलि प्रस्तुत की जाएगी। इस प्रस्तुति में भारतीय शास्त्रीय, लोक और पारंपरिक संगीत की विभिन्न धाराओं का प्रतिनिधित्व करने वाले 57 कुशल कलाकार शामिल होंगे, जो भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और एकता की भावना को प्रदर्शित करेंगे। एक संगीतमय कथा के रूप में परिकल्पित यह कार्यक्रम, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, राष्ट्रीय एकीकरण, शिक्षा और सभ्यतागत मूल्यों के प्रति डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के स्थायी आदर्शों का उत्सव मनाता है। इस संगीत समूह का निर्देशन पद्मश्री तरुण भट्टाचार्य द्वारा किया गया है।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन और योगदान को दर्शाने वाली एक शॉर्ट फिल्म भी दिखाई जाएगी। इसके साथ ही, कार्यक्रम में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रस्तावित 125 फीट ऊंची प्रतिमा के शिलान्यास को प्रदर्शित करने वाला एक विशेष वीडियो भी जारी किया जाएगा।

यह दो साल का राष्ट्रव्यापी उत्सव देश के सबसे प्रमुख राष्ट्र निमार्ताओं में से एक की स्थायी विरासत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के प्रति भारत सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है, जो वर्तमान और भावी पीढ़ियों को उनके राष्ट्रवाद, जनसेवा और भारत की एकता व प्रगति के प्रति अटूट समर्पण के आदर्शों से प्रेरित करेगा।

6-7 जुलाई 2026 को गुवाहाटी में होगी BRICS देशों की मादक पदार्थ निरोधक एजेंसियों के प्रमुखों की बैठक

उच्च स्तरीय बैठक में मादक पदार्थ तस्करी और नशीले पदार्थों के दुरुपयोग की चुनौतियों पर इफ्कटर देशों के सहयोग को और मजबूत करने पर होगी चर्चा

(जीएनएस)।

भारत अपनी BRICS अध्यक्षता के तहत 6-7 जुलाई, 2026 को गुवाहाटी, असम में ब्रिक्स देशों की मादक पदार्थ निरोधक एजेंसियों के प्रमुखों की बैठक की मेजबानी करेगा। इसमें इफ्कटर सदस्य देशों की मादक पदार्थ निरोधक एजेंसियों के प्रमुख तथा वरिष्ठ अधिकारी भाग लेंगे। बैठक का उद्देश्य सदस्य देशों के बीच संस्थागत निरंतरता को सुदृढ़ करना तथा मादक पदार्थ नियंत्रण एजेंसियों के बीच ऑपरेशनल स्तर पर सहयोग को और बढ़ावा देना है।

वैश्विक मादक पदार्थ तस्करी का परिदृश्य पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बदला है। सिंथेटिक ड्रग्स, न्यू साइकोएक्टिव सब्सटेंस (NPS), डार्कनेट के माध्यम से होने वाली तस्करी तथा क्रिप्टोकरेंसी आधारित वित्तीय लेन-देन जैसी प्रवृत्तियों ने जटिल अंतरराष्ट्रीय चुनौतियाँ उत्पन्न की हैं। वहीं दूसरी ओर, अवरोधन प्रौद्योगिकियों (Interdiction Technologies), डेटा एनालिटिक्स और वित्तीय खुफिया तंत्र में हुई प्रगति ने अंतरराष्ट्रीय सहयोग और समन्वित प्रवर्तन (coordinated enforcement) कार्रवाई के नए अवसर भी प्रदान किए हैं।

भारत इफ्कटर देशों की इस बैठक को संवाद-केंद्रित मंच से आगे बढ़ाकर एक स्ट्रक्चर्ड (structured) और परिणामोन्मुख सहयोगी व्यवस्था में परिवर्तित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखता है। इसमें ऑपरेशनल समन्वय, खुफिया जानकारी के आदान-प्रदान, क्षमता निर्माण तथा उभरते मादक पदार्थ संबंधी खतरों के विरुद्ध सामूहिक कार्रवाई को मजबूत करने पर विशेष जोर रहेगा।

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB), गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित इस बैठक में तीन प्रमुख प्राथमिकताओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा—

सिंथेटिक ड्रग्स तथा प्रीकर्सर (Precursor) रसायनों के दुरुपयोग एवं डायवर्जन

खुफिया जानकारी के आदान-प्रदान और ऑपरेशनल समन्वय को सुदृढ़ बनाना

क्षमता निर्माण एवं संस्थागत सहयोग

नशा मुक्त भारतः ड्रग्स के विरुद्ध भारत की लड़ाई

यह बैठक भारत को मादक पदार्थों की समस्या से निपटने के लिए किए जा रहे अपने ठोस एवं प्रभावी प्रयासों को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करेगी। मादक पदार्थों का दुरुपयोग जनसुरक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य तथा देश के युवाओं के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती है। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने मादक पदार्थ तस्करी और नशे के दुरुपयोग के विरुद्ध अपने अभियान को उल्लेखनीय रूप से सशक्त बनाया है। सरकार जहां एक ओर मादक पदार्थ तस्करी और संगठित आपराधिक नेटवर्क के विरुद्ध कठोर कार्रवाई कर रही है, वहीं दूसरी ओर जन-जागरूकता, सामुदायिक सहभागिता तथा नशे की लत से प्रभावित व्यक्तियों के उपचार एवं पुनर्वास पर भी समान रूप से बल दिया जा रहा है। Whole-of-Government और नेटवर्क केंद्रित अप्रोच अपनाते हुए भारत ने हाल ही में 'मादक पदार्थ नियंत्रण पर विजन डॉक्यूमेंट (2026-2029)' जारी किया है, जिसका उद्देश्य मादक पदार्थों के विरुद्ध लड़ाई में संस्थागत क्षमता को और अधिक मजबूत करना है।

ब्रिक्स (BRICS) अध्यक्ष के रूप में भारत गुप्त प्रयोगशालाओं एवं उभरती सिंथेटिक ड्रग्स से संबंधित सूचनाओं के आदान-प्रदान, प्रीकर्सर रसायनों एवं फार्मास्यूटिकल की बेहतर निगरानी, खुफिया जानकारी के साझा उपयोग, श्रेष्ठ कार्य-पद्धतियों के आदान-प्रदान, संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा विशेषज्ञों के आदान-प्रदान के माध्यम से सहयोग को और सुदृढ़ करने का प्रयास करेगा।

उभरती चुनौतियों पर विषयगत सत्र

दो दिवसीय बैठक के दौरान सदस्य देश अपने-अपने देशों में मादक पदार्थों की वर्तमान स्थिति पर विचार-विमर्श करेंगे तथा वैश्विक स्तर पर उभरती चुनौतियों पर आधारित छह विषयगत सत्रों में भाग लेंगे। इन सत्रों के प्रमुख विषय होंगे—

मादक पदार्थों की तस्करी की वास्तविक समय (Real-Time) में रोकथाम के लिये डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग

डार्कनेट के माध्यम से होने वाली मादक पदार्थ तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण

उभरते न्यू साइकोएक्टिव सब्सटेंस (NPS) से निपटने की रणनीति

प्रीकर्सर (Precursor) रसायनों के विचलन और रासायनिक लीकेज की रोकथाम के लिए वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को सुदृढ़ बनाना

मादक पदार्थों की मांग में कमी लाने और संबंधित उपायों पर विशेष पहल

संस्थागत तंत्र को और सुदृढ़ बनाना

बैठक का समापन संयुक्त घोषणा-पत्र के साथ होगा। 2026 में भारत की इफ्कटर अध्यक्षता "लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण (Building for Resilience, Innovation, Cooperation and Sustainability)" थीम पर आधारित है। ब्रिक्स (BRICS) विश्व की 11 प्रमुख उभरती एवं विकासशील अर्थव्यवस्थाओं—ब्राजील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका तथा संयुक्त अरब अमीरात—का समूह है। यह वैश्विक एवं क्षेत्रीय महत्व के समकालीन मुद्दों तथा वैश्विक राजनीतिक एवं आर्थिक शासन से जुड़े विषयों पर परामर्श एवं सहयोग का एक महत्वपूर्ण मंच है।

लखनऊ में 4 साल के मासूम की बेरहमी से हत्या; मां से मिलने आने वाले शख्स पर गहराया शक

मृत बच्चे के पिता की तहरीर पर पुलिस ने हत्या का केस दर्ज किया है. मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है.

(जीएनएस)।

लखनऊः मड़ियांव थाना क्षेत्र में श्रीनगर कॉलोनी में 4 साल के मासूम की बेरहमी से हत्या कर दी गई है. मृत बच्चे के शरीर पर चोटों के गहरे निशान मिले हैं. पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी हत्या की पुष्टि हुई है. इस मामले ने हाल ही में फिरोजाबाद में बच्चे की पटक-पटककर हत्या करने की यादें ताजा कर दी हैं. फिलहाल, मड़ियांव पुलिस ने इस घटना के संदर्भ में केस दर्ज किया है और हर एंगल से मामले की जांच की जा रही है.

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान अहम (4) के रूप में हुई है. दरअसल, मड़ियांव थाने के पीछे स्थित किराए के मकान के बाथरूम में 4 वर्षीय अहम गंभीर हालत में पड़ा मिला था. पड़ोस में रहने वाले प्रशांत ने इसकी सूचना बच्चे की मां पूनम को दी. पूनम मौके पर पहुंची और बेटे को लेकर लोहिया अस्पताल गई. वहां डॉक्टरों ने अहम को मृत घोषित कर दिया.

पुलिस के अनुसार, इसके बाद पूनम अस्पताल में ही बेटे को छोड़कर अपनी बहन के घर चली गई, जिसका घर मड़ियांव थाने के पीछे ही है. बाद में उसकी बहन अस्पताल पहुंची तो उसे बच्चे की मौत की जानकारी दी गई. इस पूरे घटनाक्रम को पुलिस अपनी जांच में शामिल कर आगे की कार्रवाई कर रही है.

पोस्टमार्टम ने खड़े किए कई सवालः पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अहम की मौत शॉक और अत्यधिक

रक्तस्राव की वजह से हुई बताया गया है. अहम के पेट, हाथ, पैर, पीठ और सीने पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं. डॉक्टरों का कहना है कि चोटों को देखकर लगता है कि बच्चे के साथ बेरहमी से मारपीट की गई.

पारिवारिक विवाद भी जांच के घेरे मेंः अहम के पिता दिनेश मजदूरी करते हैं और मूलतः उन्नाव के अचलगंज के रहने वाले हैं. पति-पत्नी के बीच विवाद के बाद वर्ष 2025 से दोनों अलग हो गए थे और पूनम मड़ियांव के श्रीनगर इलाके में किराए के मकान में रहती है.

वह घरों में झाड़ू-पोछा और खाना बनाने का काम करती है. अहम उसी के साथ रहता था और नर्सरी में पढ़ता था. पूनम का कहना है कि वह शुक्रवार को काम पर गई थी और अहम स्कूल से लौटकर घर आ गया था. शाम करीब 6 बजे पड़ोसी का फोन आया कि बच्चा बाथरूम में बेहोश पड़ा है.

घर आने वाले व्यक्ति पर पुलिस की नजरः जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि पूनम के घर पर अक्सर एक व्यक्ति आता-जाता था और कई बार वहीं रुकता भी था. फिलहाल, पुलिस इसी व्यक्ति की भूमिका की गंभीरता से जांच कर रही है. उससे पूछताछ की तैयारी की जा रही है.

हालांकि, अभी तक पुलिस ने किसी को आरोपी की घोषित नहीं किया है. आसपास के लोगों को शक है कि पूनम के घर पर आने वाले व्यक्ति ने ही इस घटना को अंजाम दिया है.

फिरोजाबाद की घटना से जुड़ रहा मामलाः इस हत्याकांड ने लोगों को हाल ही में फिरोजाबाद में हुई उस दर्दनाक घटना की याद दिला दी है, जिसने पूरे देश को हिला दिया था. उस मामले में एक युवक, एक महिला पर शादी का दबाव बना रहा था.

महिला के इंकार करने पर उसने बदला लेने के लिए उसके मासूम बेटे को अपने साथ ले जाकर बेरहमी से पटक-पटककर मार दिया था. पूरी वारदात उठळश कैमरे में कैद हो गई थी. वीडियो वायरल होने के बाद प्रदेशभर में आक्रोश फैला था. बाद में पुलिस ने आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया था.

क्या लखनऊ में भी वही कहानी दोहराई गईः मड़ियांव में हुई घटना के पीछे भी कहीं कोई निजी रंजिश, रिश्तों का विवाद या मां से जुड़े किसी व्यक्ति का एंगल तो नहीं है? पुलिस इसी दिशा में भी जांच कर रही है. हालांकि अभी तक ऐसा कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन पुलिस के सूत्रों का दावा है कि पूनम से मिलने आने वाला व्यक्ति पुलिस की हिट लिस्ट में है.

पुलिस ने क्या कहाः मड़ियांव थाना प्रभारी शिवानंद मिश्र ने बताया कि बच्चे के पिता की तहरीर पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है. सभी पहलुओं पर गंभीरता से जांच की जा रही है. पुलिस का दावा है कि जल्द ही पूरे मामले का खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा.

पीएम ने खुलासा किया कि भारत स्थिर ऊर्जा आपूर्ति कैसे बनाए रखता है

एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए, भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बात की पुष्टि की कि देश ने मध्य पूर्व में संघर्ष से उत्पन्न चुनौतियों का प्रभावी ढंग से जवाब दिया है।

भारत लगातार अपनी तेल शोधन क्षमता का विस्तार कर रहा है और अब विश्व का चौथा सबसे बड़ा तेल शोधन करने वाला देश है।

(जीएनएस)।

भारतीय प्रधानमंत्री ने कहा कि नई दिल्ली ने समय रहते निर्णय लिए, स्थिति का सटीक आकलन किया, उचित रणनीतियाँ विकसित कीं और घरेलू संसाधनों तथा राजनयिक चैनलों का प्रभावी ढंग से उपयोग किया। इस दृष्टिकोण ने वैश्विक बाजार में भारी अस्थिरता के दौर में भी भारत को स्थिर ऊर्जा आपूर्ति बनाए रखने में मदद की है।

मोदी के अनुसार, भारत को पेट्रोल और डीजल के लिए राशनिंग उपायों को लागू करने की आवश्यकता नहीं है।

"खासकर खाना पकाने के लिए इस्तेमाल होने वाली द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की आपूर्ति, वितरण में कुछ मामूली बाधाओं के बावजूद, दूरदराज के क्षेत्रों में भी गंभीर रूप से बाधित नहीं हुई है।"

अगर भारत में घरेलू गैस सिलेंडरों की कीमत में अंतरराष्ट्रीय उतार-चढ़ाव पूरी तरह से परिलक्षित होते, तो प्रति सिलेंडर लगभग 2,000 रुपये की वृद्धि हो सकती थी।

आपको यह भी पसंद आ सकता है

तूफान नंबर 1 के बाद 66,000 से अधिक ग्राहकों की बिजली बहाल कर दी गई है।

तूफान नंबर 1 के बाद 66,000 से अधिक ग्राहकों की बिजली बहाल कर दी गई है।

5 जुलाई को शाम 7 बजे तक, नॉर्दर्न पावर कॉर्पोरेशन (ईवीएनएनपीसी) तूफान नंबर 1 और उसके बाद के प्रभावों के कारण बिजली ग्रिड में आई खराबी की तत्काल मरम्मत के लिए अधिकतम जनशक्ति, सामग्री, वाहन और उपकरण जुटा रहा है, ताकि ग्राहकों को बिजली की आपूर्ति जल्द से जल्द बहाल की जा सके।

2026 के खाद्य उद्योग संवर्धन सप्ताह में 100 से अधिक कंपनियों ने भाग लिया।

2026 के खाद्य उद्योग संवर्धन सप्ताह में 100 से अधिक कंपनियों ने भाग लिया।

5 से 12 जुलाई तक आयोजित होने वाला 2026 खाद्य उद्योग संवर्धन सप्ताह, उत्पाद की खपत को बढ़ावा देने, बाजारों का विस्तार करने और वियतनामी खाद्य व्यवसायों की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के लिए एक सेतु बनने की उम्मीद है।

यूरोप को अपनी बिजली आपूर्ति बनाए रखने के लिए अभी भी रूस की आवश्यकता क्यों है?

यूरोप को अपनी बिजली आपूर्ति बनाए रखने के लिए अभी भी रूस की आवश्यकता क्यों है?

(सीएलओ) रूस-यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के चार साल से अधिक समय बाद, यूरोपीय संघ (ईयू) ने रूसी गैस और तेल पर अपनी निर्भरता काफी हद तक कम कर दी है। हालांकि, एक अन्य क्षेत्र में, जिस पर कम ध्यान दिया जाता है, मॉस्को अभी भी लगभग अपरिहार्य भूमिका निभाता हैः परमाणु ईंधन।

हालांकि, सरकार ने आम उपभोक्ताओं के लिए सिलेंडर की कीमत 950 रुपये से कम और उज्ज्वला कार्यक्रम (कम आय वाले परिवारों के लिए गैस सब्सिडी कार्यक्रम) से लाभान्वित होने वाले परिवारों के लिए लगभग 650 रुपये प्रति सिलेंडर रखी है," प्रधानमंत्री मोदी ने जोर दिया।

उर्वरक समर्थन नीतियों के संबंध में, प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत लगभग 300 रुपये प्रति बोरी की दर से यूरिया की आपूर्ति जारी रखे हुए है। उन्होंने कहा कि रूस-यूक्रेन संघर्ष के बाद वैश्विक मूल्य रुझानों को देखते हुए, यूरिया की कीमत लगभग 3,000 रुपये प्रति बोरी तक बढ़ सकती थी।

उपभोक्ताओं और किसानों की सुरक्षा के लिए लागत का यह अंतर सरकारी स्वामित्व वाली तेल और गैस कंपनियों द्वारा वहन किया जाता है।

भारतीय प्रधानमंत्री ने कहा कि जून 2026 के अंत तक, सरकारी स्वामित्व वाली तेल और गैस कंपनियों को लगभग 750 अरब रुपये (लगभग 7.9 अरब डॉलर) का नुकसान हुआ था, जो एक रिफाइनरी के निर्माण की लागत के बराबर है।

मोदी ने दक्षिण एशियाई देश को तनावपूर्ण दौर से उबरने में घरेलू रिफाइनरियों की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इन सुविधाओं के कारण द्रवीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) का उत्पादन बढ़ा है, जिससे घरेलू बाजार में आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद मिली है।

आपको यह भी पसंद आ सकता है

अमेरिका ने ईरान पर प्रतिबंधों का विस्तार किया, जिससे ऊर्जा आपूर्ति के लिए जोखिम बढ़ गया।

अमेरिका ने ईरान पर प्रतिबंधों का विस्तार किया, जिससे ऊर्जा आपूर्ति के लिए जोखिम बढ़ गया।

घरेलू ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए वियतनाम ने ऑस्ट्रेलिया से 38,000 टन एलपीजी आयात की।

घरेलू ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए वियतनाम ने ऑस्ट्रेलिया से 38,000 टन एलपीजी आयात की।

मध्य पूर्व के दबाव में आकर, पेट्रोवियतनाम और पीवी गैस ने मई 2026 तक घरेलू ऊर्जा आपूर्ति को स्थिर बनाए रखने के लिए ऑस्ट्रेलिया से लगभग 38,000 टन एलपीजी का आयात किया है।

आज, 5 जुलाई को सोने की कीमतों में भारी उछाल के साथ कारोबार बंद हुआ, लेकिन खरीदारों को फिर भी नुकसान उठाना पड़ा।

आज, 5 जुलाई को सोने की कीमतों में भारी उछाल के साथ कारोबार बंद हुआ, लेकिन खरीदारों को फिर भी नुकसान उठाना पड़ा।

एसकेडीएस - आज, 5 जुलाई को जारी सोने की कीमत के अपडेट के अनुसार, घरेलू सोने के बाजार ने सोने की छड़ों और सोने की अंगूठियों की कीमतों में बहुत मजबूत वृद्धि के साथ एक सप्ताह का कारोबार समाप्त किया।

भारतीय प्रधानमंत्री ने कहा, 'भारत लगातार अपनी तेल शोधन क्षमता का विस्तार कर रहा है और अब विश्व का चौथा सबसे बड़ा तेल शोधन करने वाला देश है। ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और घरेलू खपत की जरूरतों को पूरा करने के लिए देश आने वाले वर्षों में अपनी क्षमता में वृद्धि जारी रखेगा।'

'इस चोरी से मैं आहत, दुखी और लज्जित हूं...', अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा गबन पर कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी का बयान

अयोध्या के राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी महाराज ने पहली बार आधिकारिक सफाई दी है। उन्होंने कहा कि इस घटना से वह आहत, दुखी और लज्जित हैं।

(जीएनएस)।

अयोध्याः श्री राम जन्मभूमि मंदिर के दानपात्र से चढ़ावा चोरी के मामले ने पूरे देश में चर्चा छेड़ दी है। इस घटना के बाद राम मंदिर ट्रस्ट की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। इसी बीच ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी महाराज ने एक आधिकारिक पत्र जारी कर मामले पर अपनी सफाई दी है। उन्होंने कहा कि रामलला के दरबार में हुई चोरी की घटना से वह व्यक्तिगत रूप से बेहद आहत, दुखी और लज्जित हैं।

गोविंद देव गिरी का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और सदस्य अनिल मिश्रा के इस्तीफे की चर्चाएं भी तेज हैं।

'घटना ने मुझे लज्जित कर दिया'

जारी पत्र में गोविंद देव गिरी महाराज ने कहा कि रामलला के दरबार में हुई चोरी की घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने लिखा कि इस घटना ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से आहत किया है और यह उनके लिए शर्मिंदगी का विषय है।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि

कोषाध्यक्ष होने के बावजूद उनकी भूमिका दैनिक नकदी प्रबंधन या दान की गिनती में प्रत्यक्ष रूप से नहीं रहती थी।

ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी महाराज का पत्र

'खर्च सीधे बैंक से होते थे, मैं पुणे में रहता हूं'

दान की निगरानी को लेकर उठ रहे सवालों पर उन्होंने कहा कि ट्रस्ट के सभी खर्च बैंकिंग व्यवस्था के माध्यम से किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि उनका स्थायी निवास महाराष्ट्र के पुणे में है और वे अधिकांश समय कथा-प्रवचन के कार्यक्रमों के सिलसिले में देशभर में रहते हैं। इसी कारण उनका अयोध्या आना महीने या डेढ़ महीने में एक बार ही हो पाता था।

'न्यास से यात्रा के लिए कभी एक रुपया नहीं लिया'

कोषाध्यक्ष ने अपने पत्र में वित्तीय पारदर्शिता का दावा करते हुए कहा कि उन्होंने कभी भी अपने प्रवास, यात्रा या ठहरने के लिए राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के धन का उपयोग नहीं किया।उन्होंने कहा, "मैंने आज तक अपने प्रवास के लिए न्यास के खजाने से एक रुपया भी नहीं लिया।"

6 जुलाई की बैठक पर सबकी नजर

राम मंदिर ट्रस्ट की प्रस्तावित 6 जुलाई की बैठक पर अब सभी की नजरें टिकी हैं। माना जा रहा है कि इस बैठक में दानपात्र चोरी मामले की समीक्षा के साथ सुरक्षा व्यवस्था और वित्तीय निगरानी को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा सकते हैं।

5 आरोपियों से पांच घंटे पूछताछ

उधर, मामले की जांच कर रही अयोध्या पुलिस ने रविवार को चढ़ावा चोरी मामले के पांच आरोपियों, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू, करुणेश पांडे और मनीष यादव से करीब पांच घंटे तक पूछताछ की।

पुलिस सूत्रों के अनुसार पूछताछ के दौरान चोरी के पैसों से कथित तौर पर बनाई गई कई संपत्तियों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां मिली हैं। अब इन संपत्तियों की विस्तृत जांच की जाएगी।

पहले जेल में हुई थी मुख्य आरोपी से पूछताछ

मामले की जांच कर रहे सीओ आशुतोष तिवारी ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के विशेष न्यायाधीश रजत वर्मा की अदालत में पूछताछ के लिए अर्जी दी थी। इससे पहले पुलिस मुख्य आरोपी अविनाश से जेल में पूछताछ कर चुकी है और उसे पुलिस कस्टडी में भी लिया गया था। जरूरत पड़ने पर अन्य आरोपियों को भी दोबारा पुलिस रिमांड पर लिया जा सकता है।

फिलहाल पुलिस मामले की वित्तीय कड़ियों, कथित अवैध संपत्तियों और चोरी की रकम के इस्तेमाल की विस्तृत जांच में जुटी हुई है।

इंडोनेशिया दौरे पर जाएंगे पीएम मोदी, ब्रह्मोस डील पर लग सकती है मुहर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 6 जुलाई से तीन दिवसीय इंडोनेशिया दौरे पर हैं, जहां वो भारत और इंडोनेशिया ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल सिस्टम की खरीद को लेकर बातचीत करेंगे. इस दौरान तटीय और मोबाइल लॉन्चर, रडार, ट्रेनिंग, मेंटेनेंस और व्यापक सपोर्ट पैकेज पर बात हो सकती है.

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 6 जुलाई से इंडोनेशिया के तीन दिवसीय दौरे पर जा रहे हैं. इस यात्रा के दौरान भारत और इंडोनेशिया के बीच ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल सिस्टम की चरणबद्ध खरीद को लेकर बातचीत होने की उम्मीद है. ये दौरा दोनों देशों के रणनीतिक संबंधों के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है.

रक्षा सूत्रों ने इंडिया टुडे को बताया कि दोनों देशों के बीच चर्चा मार्च में तय हुए शुरूआती सिंगल-सिस्टम समझौते से आगे जाएगी. इस बार बातचीत में तटीय और मोबाइल लॉन्चर, रडार, ट्रेनिंग, मेंटेनेंस और व्यापक सपोर्ट पैकेज शामिल होने की संभावना है.

ऐसे में कहा जा सकता है कि

इंडोनेशिया को सिर्फ मिसाइल ही नहीं, बल्कि उसकी पूरी सुरक्षा और रख-रखाव की प्रणाली सौंपी जाएगी.

इंडो-पैसिफिक में भारत की मजबूत होती डिफेंस डिप्लोमेसी

भारत की ब्रह्मोस मिसाइल का निर्यात इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में उसकी रक्षा कूटनीति का अहम स्तंभ बनकर उभर रहा है. भारत पहले ही फिलीपींस को मिसाइलों की डिलीवरी शुरू कर चुका है. इसके साथ ही वियतनाम और इंडोनेशिया के साथ भी भारत की बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी है.

भारत ने साल 2022 में फिलीपींस के साथ तट-आधारित ब्रह्मोस सिस्टम के लिए 375 मिलियन डॉलर का समझौता किया था, जिसकी डिलीवरी 2024 में शुरू हुई. ये इस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का पहला निर्यात था.

दुनिया की सबसे तेज मिसाइलों में शामिल है ब्रह्मोस

भारत और रूस का जॉइंट वेंचर 'ब्रह्मोस', दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों में से एक है. फिलीपींस के बाद अगर इंडोनेशिया भी इसका ऑर्डर देता है, तो ये इस मिसाइल सिस्टम का दूसरा निर्यात होगा. इस डील से इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के इन दो बड़े साझेदार देशों के बीच रक्षा संबंध और ज्यादा गहरे हो जाएंगे.

समुद्री सुरक्षा और रणनीतिक तालमेल पर रहेगा जोर

प्रधानमंत्री मोदी के इस तीन दिवसीय दौरे का फोकस समुद्री सुरक्षा, रक्षा औद्योगिक सहयोग और हिंद महासागर और आसियान (अरएअठ) क्षेत्र में तालमेल बढ़ाना है. दोनों देश मिलकर इस क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता का नई अध्याय लिखने की तैयारी में हैं.

'कांग्रेस दिशाहीन, आपसी लड़ाई में व्यस्त', बलतेज पन्नू का बड़ा आरोप

(जीएनएस)।

आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब के मीडिया इंचार्ज बलतेज पन्नू ने कहा कि कांग्रेस दिशाहीन हो चुकी है और पंजाब और उसके लोगों की चिंताओं को दूर करने के बजाय, वह अंदरूनी सत्ता संघर्ष में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में चल रही अंदरूनी लड़ाई ने पार्टी के पूरे राजनीतिक दिवालियापन को सबके सामने ला दिया है।

उन्होंने कांग्रेस, भाजपा और शिरोमणि अकाली दल पर मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान को निशाना बनाने के लिए हाथ मिलाने का आरोप लगाया, क्योंकि उनके पास आप सरकार द्वारा किए गए अभूतपूर्व कामों का कोई जवाब नहीं है।

रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, आप पंजाब राज्य मीडिया इंचार्ज बलतेज पन्नू ने कहा कि कांग्रेस की अंदरूनी कलह उसका अपना मामला है, लेकिन यह पार्टी की बिना दिशा की बात दिखाती है। उन्होंने कहा, "हैरानी की बात यह है कि कांग्रेस नेता बता रहे हैं कि भाजपा के अंदर क्या हो रहा है, जबकि भाजपा नेता कांग्रेस के मामलों पर बोल रहे हैं। इससे साफ पता चलता है कि दोनों पार्टियां पूरे तालमेल से काम कर रही हैं।"

'मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान को टारगेट करना है'

उन्होंने कहा कि 'कांग्रेस, भाजपा और शिरोमणि अकाली दल असल में "टीम ए, बी, सी" बन चुके हैं, जिनका एकमात्र मकसद मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान को टारगेट करना है, क्योंकि उन्हें आप सरकार के परफॉर्मेंस के बारे में कोई तोड़ नहीं है।'

'पंजाब में पार्टी असल में "कांग्रेस विंग" बन गई है'

भाजपा पर तंज कसते हुए, बलतेज पन्नू ने कहा कि 'पंजाब में पार्टी असल में "कांग्रेस विंग" बन गई है। उन्होंने कहा, "आज भाजपा को लीड करने वाले ज्यादातर चेहरे पुराने कांग्रेसी नेता हैं। असली भाजपा लीडरशिप लगभग गायब हो गई है, जबकि कई दूसरे कांग्रेसी नेता उनके साथ जुड़ने के लिए बेताब दिखते हैं।'

सीनियर कांग्रेस नेता सुखजिंदर सिंह रंधावा की हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ हुई मीटिंग का ज़िक्र करते हुए, पन्नू ने कहा कि हालांकि रंधावा ने इसके लिए अलग वजह स्पष्टीकरण दिया है, लेकिन हर कोई इस मुलाकात की राजनीतिक अहमियत समझता है। उन्होंने आगे कहा, "विपक्षी पार्टियां एक साथ इसलिए आई हैं क्योंकि वे आप सरकार के परफॉर्मेंस का मुकाबला नहीं कर सकतीं।"

बलतेज पन्नू ने आगे कहा, "दशकों में पहली बार गांवों तक नहर का पानी पहुंचा है। 600 यूनिट फ्री बिजली मिलने से करीब 90 परसेंट घरों के बिजली बिल जीरो आ रहे हैं। किसानों को दिन में बिना रुकावट बिजली और नहर का पानी मिल रहा है। आप सरकार ने 34 लाख से ज्यादा महिलाओं को जो आर्थिक मदद का वादा किया था, वो मिलनी शुरू हो गई है, जबकि बाकी एलिजिबल बेनिफिशियरी को 1 अगस्त से उनका बकाया मिलेगा।"

'कांग्रेस नेता अपनी अंदरूनी लीडरशिप की लड़ाई में बिजी'

उन्होंने कहा कि 'पंजाब की तरक्की के लिए कोई एजेंडा पेश करने के बजाय कांग्रेस नेता अपनी अंदरूनी लीडरशिप की लड़ाई में बिजी हैं। उन्होंने कहा, "एक दिन वे कहते हैं कि चरणजीत सिंह चन्नी मीटिंग के लिए दिल्ली में हैं, अगले दिन वे कहते हैं कि भूपेश बघेल पंजाब कांग्रेस नेताओं से मिलने आ रहे हैं। पूरी पार्टी हाईकमान के निर्देशों का इंतजार कर रही है, जबकि दूसरों को भाषण देने का नाटक कर रही है।"

बलतेज पन्नू ने कांग्रेस नेताओं के दोहरे रवैये की ओर इशारा करते हुए कहा कि वे बार-बार आप पर यह कहकर हमला करते थे कि पार्टी दिल्ली से चल रही है, लेकिन अब वे खुद हर फैसले के लिए अपने हाईकमान का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने पूछा, "क्या वे अब इस मुद्दे पर आप के खिलाफ इस्तेमाल की गई अपमानजनक और भद्दी भाषा के लिए माफी मांगेंगे?"

उन्होंने चुनाव के दौरान टिकट बंटवारे और मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर कांग्रेस नेताओं द्वारा पहले लगाए गए आरोपों का भी ज़िक्र किया और कहा कि कांग्रेस को दूसरों पर निशाना साधने से पहले उन आरोपों पर स्पष्टीकरण दे।

नरेंद्र मोदी-राहुल गांधी में किसे चुनेंगे शरद पवार, क्या सुप्रिया सुले को पसंदीदा मंत्रालय पर फाइनल होगी डील

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने मंत्रिमंडल का विस्तार और फेरबदल कब करेंगे? इसको लेकर उत्सुकता बनी हुई है। महाराष्ट्र में सभी की नजरें शरद पवार पर टिकी हैं कि वे एनसीपी (एसपी) का कांग्रेस में विलय करेंगे या फिर एनडीए में जाकर सुप्रिया सुले के लिए पसंदीदा मंत्रालय लेंगे।

(जीएनएस)।

मुंबईः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलों के बीच केंद्र सरकार ने मॉनसून सत्र की तारीखों का ऐलान कर दिया है। मॉनसून सत्र 20 जुलाई से 13 अगस्त तक चलेगा। ऐसे में इससे पहले क्या मंत्रिमंडल में फेरबदल होगा, क्योंकि अब इसके लिए गिनती के दिन बचे हैं। मोदी मंत्रिमंडल में फेरबदल टलने की संभावना अधिक व्यक्त की जा रही है, लेकिन इस सब के बीच महाराष्ट्र के राजनीतिक हलकों में बड़ी चर्चा है कि क्या शरद पवार अपना पसंदीदा मंत्रालय मिलने पर एनडीए में जाएंगे। अभी यह मंत्रालय शिवराज सिंह चौहान के पास है। सूत्र दावा कर रहे हैं कि शरद पवार ने अपनी इच्छा से बीजेपी नेतृत्व को अगवत करा दिया है। दूसरी ओर एनसीपी (एसपी) के कांग्रेस में विलय की अटकलें हैं।

राजनीतिक सूत्रों का दावा है कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की अगुवाई वाली तृणमूल कांग्रेस के टुकड़ों में बिखरने और महाराष्ट्र में

उद्धव ठाकरे की हाल देखकर शरद पवार चिंतित है। इसलिए शरद पवार नई पार्टी के सुरक्षित रखने और सुप्रिया सुले के साथ अपने कुछ नेताओं के लिए अच्छी डील चाहते हैं। बीजेपी के पास देने के लिए बहुत कुछ है तो वहीं कांग्रेस के हाथ बंधे हुए हैं। अब देखना है कि शरद पवार क्या फैसला लेते हैं। दावा किया जा रहा है कि अगर एनसीपी (शरदचंद्र पवार) को लेकर शरद पवार ने कोई फैसला नहीं लिया तो पार्टी टूट सकती है।

क्या सुप्रिया सुले नए साल में बनेंगी मंत्री? जानिए वो 'तीन कारण' जिसके चलते दिल्ली से मुंबई तक छिड़ी यह चर्चा

पंसदीदा मंत्रालय पर बन सकती है बात

सूत्रों का दावा है कि शरद पवार मोदी मंत्रिमंडल में बेटी सुप्रिया सुले के लिए कृषि मंत्रालय मिलने पर मान सकते हैं। दूसरा उनका पसंदीदा मंत्रालय सहकारिता है। यह मंत्रालय अमित शाह के पास है। पवार के करीबियों का दावा है कि वे इसमें एनसीपी के किसी सांसद को राज्यमंत्री बनाए जाने के पक्ष में है। शरद पवार ने खुद कृषि मंत्री रहते हुए सहकारिता में काफी दबदबा बनाया है। जो अभी तक कायम है। यह भी दावा किया जा रहा है कि अगर बीजेपी के साथ शरद पवार की डील डन होती है तो महाराष्ट्र में उनके पोते रोहित पवार भी मंत्री बन सकते हैं। अब देखना है बीजेपी शरद पवार की कितनी शर्तें मानती है। शरद पवार के पास आठ सांसद और 9 विधायक है। वह खुद राज्यसभा के सदस्य हैं। उनकी बेटी सुप्रिया सुले बेस्ट सांसदों में शामिल हैं। उनके ऊपर करप्शन का कोई दाग नहीं है।

पहली महिला कृषि मंत्री बनेंगी सुप्रिया सुले!

उल्लेखनीय तथ्य यह है कि अभी तक किसी महिला ने कृषि मंत्रालय का स्वतंत्र तौर पर नहीं संभाला है। अगर सुप्रिया सुले कृषि मंत्री बनती है तो यही एक कीर्तिमान होगा। अभी तक कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय में महिलाओं ने मंत्री (राज्य मंत्री) के रूप में कार्यभार संभाला है। इनमें शोभा करंदलाजे और कृष्णा तीरथ का नाम शामिल है। तो वहीं दूसरी तरफ शरद पवार लंबे वक्त पर कृषि मंत्री रहे हैं। वह 10 साल (2004 से 2014 तक) तक संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (UPA-1 और UPA-2) की सरकार में केंद्रीय कृषि मंत्री के रूप में काम कर चुके हैं।